

## आईएमएफ द्वारा वर्ष 2018 में भारत के लिये 7.3% की विकास दर का अनुमान

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने अपनी नवीनतम वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा कि 2018 के चालू वर्ष में भारत 7.3 प्रतिशत की वृद्धिदर और 2019 में 7.4 प्रतिशत की वृद्धिदर हासिल करेगा। जबकि वर्ष 2017 में भारत ने 6.7 प्रतिशत की वृद्धिदर देखी थी।

### प्रमुख बंदि

- यदि अनुमान सही साबित होते हैं, तो भारत वर्ष 2018 में 0.7 प्रतिशत से अधिक की वृद्धिदर से चीन को पीछे छोड़कर दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था का टैग हासिल करेगा और वर्ष 2019 में चीन से 1.2 प्रतिशत अंक की एक प्रभावशाली बढ़त पा लेगा।
- तेल की कीमतों में हालिया वृद्धि और कठोर वैश्विक वित्तीय स्थितियों के कारण अप्रैल 2018 में प्रकाशित किये गए 2019 के लिये वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक [WEO] रिपोर्ट के आँकड़ों की तुलना में ये अनुमान थोड़ा कम हैं।
- आईएमएफ ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में आई यह तेज़ी नविश में वृद्धिकरने और मज़बूत नज़ी खपत के साथ, अस्थायी झटकों (मुद्रा वनिमिय पहल तथा वस्तु और सेवा कर के कार्यान्वयन) से बाहर आने के रूप में परलिकषति होती है।
- इस रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती मांग और ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच भारत में मुद्रास्फीति बढ़ रही है जो कि वित्त वर्ष 2016-17 के 4.5 प्रतिशत की तुलना में वित्त वर्ष 2017-18 में 3.6 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2018-19 में 4.7 प्रतिशत अनुमानित है।
- वर्तमान में जारी संरचनात्मक सुधारों के कारण भारत की मध्यम अवधिकी विकास संभावनाएँ 7.75 प्रतिशत पर मज़बूत बनी हुई हैं, लेकिन अप्रैल 2018 की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट के मुकाबले इसमें सरिफ आधे प्रतिशत की कमी का अनुमान लगाया गया है।
- इस नवीनतम वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के वर्षों में भारत में वस्तु और सेवा कर, मुद्रास्फीति लिकषति कार्ययोजना, शोधन अकषमता और दवालयिपन संहति तथा वदिशी नविश को उदार बनाने और इसे व्यापार करने में सुगम बनाने सहति कई महत्त्वपूर्ण सुधार लागू किये गए हैं।

### चीन की आर्थिक रिपोर्ट

- वर्ष 2017 में चीनी अर्थव्यवस्था वशि्व की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था थी और इसकी वृद्धिदर भारत से 0.2 प्रतिशत अंक अधिक थी। रिकॉर्ड के लिये, आईएमएफ ने अपने अप्रैल 2018 के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक वार्षिक रिपोर्ट की तुलना में इस रिपोर्ट में भारत और चीन दोनों के लिये क्रमशः 0.4 प्रतिशत और 0.32 प्रतिशत के विकास अनुमानों को कम कर दिया है।
- आईएमएफ और वशि्व बैंक की वार्षिक बैठक के दौरान बाली में जारी की गई वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, चीनी आयात पर अमेरिकी टैरफि के नवीनतम दौर के कारण चीन के लिये 2019 के विकास अनुमान अप्रैल में जारी किये गए अनुमान के मुकाबले कम है, भारत के लिये भी इसके अनुमान इसी प्रकार हैं।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन में विकास दर के 2017 में 6.9 प्रतिशत से घटकर 2018 में 6.6 प्रतिशत और 2019 में 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि बाहरी मांग में धीमी वृद्धि और आवश्यक वित्तीय वनियामक की कठोरता को दर्शाती है।

### वैश्विक अर्थव्यवस्था

- वर्ष 2018 और 2019 दोनों के लिये 3.7 प्रतिशत की वैश्विक वृद्धिका अनुमान लगाया गया है, जो कि इससे पहले दोनों वर्षों के लिये 3.9 प्रतिशत की वृद्धि के जुलाई में लगाए गए पूर्वानुमान से 0.2 प्रतिशत बंदि कम है।
- 2018 के लिये अमेरिका की वृद्धिदर 2.9 प्रतिशत और 2019 के लिये 2.5 प्रतिशत अनुमानित है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि उभरते बाज़ार और विकासशील अर्थव्यवस्था समूह में कुल वृद्धि 2018 की पहली छमाही में स्थिर हो गई।
- उल्लेखनीय है कि इस दौरान उभरते एशिया ने मज़बूत विकास दर्ज करना जारी रखा, जो कि भारतीय अर्थव्यवस्था में चार साल से नमिन गति से जारी सुधार की जगह 2017 में घरेलू मांग-आधारित तेज़ी द्वारा समर्थित था। भले ही चीन में आर्थिक गतिविधियाँ दूसरी तमिाही में संपत्तकषेत्तर और गैर बैंक वित्तीय मध्यस्थता के नयामक कड़े होने के कारण धीमी रही।

### वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक

- वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (WEO) एक सरवेक्षण है जिसका आयोजन तथा प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा कया जाता है।
- यह भविष्य के चार वर्षों तक के अनुमानों के साथ नकिट और मध्यम संदर्भ में वैश्विक अर्थव्यवस्था को चित्रित करता है।

- WEO पूर्वानुमान में सकल घरेलू उत्पाद, मुद्रास्फीति, चालू खाता और दुनिया भर के 180 से अधिक देशों के वित्तीय संतुलन जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक संकेतक शामिल हैं।

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/imf-projects-india-growth-rate>

